LAY
31018666
दूल्हा घर
टेलरिंग
री विशेषता है
रेडीमेड
परेड चौराहा

सुपरवाइजर की सहमति से हो पीएचडी स्कॉलर का आवंटन

कूटा प्रेसीडेंट डॉ. बीडी पांडेय ने सीएसजेएमयू वीसी से की डिमांड

kanpur@inext.co.in

KANPUR (28 March): पीएचडी स्कॉलर जल्द ही अपना रिसर्च वर्क शुरू करेंगे. यूनिवर्सिटी प्रशासन पीएचडी स्टार्ट करने के लिए तेजी से प्रयासरत है. कूटा प्रेसीडेंट डॉ. बीडी पांडेय ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से डिमांड की है कि सुपरवाइजर की सहमति से ही पीएचडी स्कॉलर का आवंटन किया जाए. अगर सुपरवाइजर किसी छात्र को पीएचडी अपने अंडर में नहीं कराना चाहता है तो वाजिब कारण देखकर स्कॉलर बदलना चाहिए.

डॉ. बीडी पांडेय ने कहा कि यूनिवर्सिटी को अपनी पॉलिसी में कुछ बदलाव करना होगा. टीचर्स से अलग अलग कार्य कराने की कोई पॉलिसी विवि ने नहीं बनाई है. परीक्षा, मूल्यांकन और निरीक्षण कार्य विवि प्रशासन टीचर्स से कराता है लेकिन कोई नीति नहीं बनाई है. विवि को चाहिए कि वह सीनियरिटी को ध्यान में रखकर टीचर्स को काम दे. यूनिवर्सिटी प्रशासन ने टीचर्स के मेडीक्लेम की भी कोई पॉलिसी नही बनाई है. हमारी डिमांड है कि टीचर्स को कम से कम 5 लाख की मेडीक्लेम पालिसी में शामिल किया जाना चाहिए.

टॉपर्स को स्कूल ने किया

मेधावी बच्चों को दिए गए सर्टिफिकेट.

गौरव मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल में किया गया आयोजन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (28 March): गौरव मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल में थर्सडे को धूमधाम से वार्षिक परीक्षाफल वितरण व सम्मान समारोह मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रबंधक निदेशक आरती कटियार ने किया. कार्यक्रम के दौरान क्लास में फर्स्ट, सेकेंड व थर्ड

कानपुर LIVE
कैम्पस/सिटी

कूटा के चुनाव में 905 शिक्षकों ने किया मतदान, अध्यक्ष व महामंत्री पद पर निर्विरोध चयन

डॉ. बीडी पांडेय अध्यक्ष व डॉ. अवधेश बने महामंत्री

02
-2 प्रत्याशी थे अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए चुनाव मैदान में

09
पुरुष वर्ग में व 4 महिला वर्ग में कार्यकारिणी सदस्य के लिए भरा था पर्चा

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

कानपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) के नए अध्यक्ष डॉ. बीडी पांडेय और महामंत्री डॉ. अवधेश सिंह होंगे। डॉ. बीडी पांडेय पीपीएन कॉलेज में वरिष्ठ शिक्षक हैं जबकि डॉ. अवधेश सिंह डीएवी कॉलेज में हैं। रविवार को हुए चुनाव में दोनों प्रत्याशियों को निर्विरोध चुना गया। हालांकि चुनाव मैदान में अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए दो-दो प्रत्याशी आमने-सामने थे। मगर अंतिम दौर में अध्यक्ष पद से डॉ. राजीव कुमार और महामंत्री पद से डॉ. कपिल बाजपेई ने अपना नामांकन वापस ले लिया। ये दोनों ही प्रत्याशी डीएवी कॉलेज के हैं।

पीपीएन कॉलेज में रविवार को कानपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ का चुनाव संपन्न हुआ। उपाध्यक्ष पद के लिए सबसे अधिक उम्मीदवार मैदान में रहे और उनके बीच अंतिम समय तक संघर्ष चलता रहा। उपाध्यक्ष पद के लिए क्राइस्टचर्च कॉलेज के डॉ. दिनेश चंद्र श्रीवास्तव, वीएसएसडी कॉलेज के डॉ. पीएन त्रिवेदी विजयी हुए। वहीं, उपाध्यक्ष (कानपुर से बाहर) डीएसएन कॉलेज उन्नाव के डॉ. तरुण कुमार जीते। संयुक्त मंत्री पद के लिए डीजी कॉलेज की डॉ. अर्चना दीक्षित, बीएनडी कॉलेज के डॉ. नवनीत कुमार मिश्र विजयी हुए। वहीं, संयुक्त मंत्री महिला पद के लिए जुहारी देवी कॉलेज डॉ. अलका द्विवेदी चुनी गईं। फुपुक्टा प्रतिनिधि के रूप में डीएवी कॉलेज के डॉ. यतींद्र सिंह चुने गए।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डीएवी कॉलेज के डॉ. अभय सक्सेना, वीएसएसडी कॉलेज के डॉ. इंद्रमणि, हलीम मुस्लिम पीजी कॉलेज के डॉ. तनवीर अख्तर, बीएनडी कॉलेज के डॉ. सुनील सिंह, हरसहाय पीजी कॉलेज के डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव, बीएनडी कॉलेज की डॉ. अर्चना पांडेय और डीएवी कॉलेज की डॉ. अलका कुशवाहा ने चुनाव जीता। कार्यकारिणी सदस्य के लिए पुरुष वर्ग में 9 और महिला वर्ग में 4 प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया था।

इसमें सात सदस्यों का चयन हुआ है। वहीं अध्यक्ष-जिला पद पर कई प्रत्याशी निर्विरोध ही चुनाव जीत गए। सभी विजयी प्रत्याशियों को शिक्षकों ने बधाई दी। चुनाव अधिकारी डॉ. एसएस तोमर ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ है। किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई।

कूटा के नए अध्यक्ष डॉ. बीडी पांडेय (दाएं), महामंत्री डॉ. अवधेश सिंह। (बाएं)

शिक्षकों में उत्साह

कूटा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को विजयी बनाने के लिए शिक्षकों में गजब का उत्साह देखने को मिला। कूटा के सदस्य छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय से संबद्ध 11 जिलों के महाविद्यालयों के हैं। रविवार सुबह 6 से नौ बजे के बीच नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए दो-दो प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। उपाध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी मैदान में रहे। उन्नाव में अध्यक्ष पद के दो और औरैया में अध्यक्ष पद के तीन प्रत्याशी मैदान में रहे।

Congratulations Sir!💐💐

शिक्षकों के प्रमोशन की लड़ाई लड़ेगा कूटा

कानपुर: सालों बाद छत्रपति शाहू जी महाराज विवि में पीएचडी शुरू होनी है। डिग्री कॉलेजों के तमाम शिक्षक भी पीएचडी करना चाहते हैं पर विवि ने जो नियम बनाए हैं, उससे उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। कानपुर यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (कूटा) के पदाधिकारियों ने सीएसजेएमयू प्रशासन पर नियमों को मनमाने ढंग से लागू कराने का आरोप लगाकर कुलसचिव को पत्र भेजा है।

पदाधिकारियों का कहना है जो नियम बनाए गए हैं, उससे साफ है शिक्षकों को प्रमोशन नहीं मिलेगा। संगठन के अध्यक्ष डॉ. बीडी पांडेय ने बताया कि पत्र में सभी नियमों का जिक्र किया गया है। जिसका संज्ञान विवि के अफसरों को लेना होगा। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो संगठन आंदोलन के लिए रणनीति तैयार करेगा। (वि.)

...त्साह दिखाई दे रहा है। इससे उम्मीद ... कोई पहले मतदान करेगा उसके बाद ... करेगा। कार्यक्रम में चार चांद लगाने ...कूली बच्चों और शिक्षिकाओं को ...त करने के लिए डीएम ने नगद ...देकर उन्हें पुरस्कृत किया।

...बीटीआई के ...ुखी प्रतिभा

...सव 'रैनसा' में शामिल छात्राएं।

...गिताएं	विजेता
	अंकिता व टीम
...स्टील	शुभम दीक्षित व टीम
...ब्वायज	कुणाल व टीम
...गर्ल्स	वनिता व टीम
...द ब्वायज	अंकित
...ब्वायज	जसप्रीत

...क्रम के पहले दिन मैनेजमेंट स्किट, ...वर्सेस डीसी, जंकयार्ड आदि ...ों में भाग लेकर प्रतिभागियों ने ... का परिचय दिया। खेल-कूद के ... में संस्थान के विद्यार्थियों के ...ाहरी संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी ... की। क्रिकेट, शतरंज, कैरम,लंबी ...ॉट पुट, वालीबॉल जैसे गेम्स ...त किये गये। समारोह के समापन ...को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही ...वितरण के साथ होगा।

...पहचान पत्र हो हो। सूची में नाम जरूरी है। इसके अलावा पैन कार्ड, स्मार्ट कार्ड, आधार कार्ड, स्वास्थ्य बीमा कार्ड, पासपोर्ट, सर्विस पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, ... दस्तावेज आदि में से कोई भी ... का प्रयोग कर सकते है।

परीक्षा पारिश्रमिक लेने से कतरा रहे विवि शिक्षक !

कानपुर (एसएनबी)। सीएसजेएमयू में मूल्यांकन व अन्य परीक्षा कार्यों से संबद्ध पारिश्रमिक का भुगतान अभी भी पुरानी दरों से ही किये जाने के कारण शिक्षक भुगतान नहीं ल रहे हैं। विवि प्रशासन शिक्षकों से बढ़े पारिश्रमिक भुगतान में तकनीकी दिक्कत बता पुरानी दरों से ही भुगतान लेने की पेशकश कर रहा है जिसे शिक्षकों ने नकार दिया है। यह दिक्कत संबंधित साफ्टवेयर को अपडेट न किये जाने के कारण आ रही है। इसके चलते शिक्षकों में रोष है।

शासन ने गत 9 मार्च को विवि परीक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए पारिश्रमिक दरें बढ़ाने का शासनादेश जारी किया था। सीएसजेएमयू की वित्त समिति व एक्जीक्यूटिव समिति परीक्षा पारिश्रमिक वृद्धि विषय शासनादेश को प्रभावी करने को स्वीकृति दे चुकी है। सीएसजेएमयू में बढ़े परीक्षा पारिश्रमिक दरों से पारिश्रमिक भुगतान करना इसलिए संभव नहीं हो पाया है कि संबंधित साफ्टवेयर को अपडेट करने में उदासीनता बरती गयी। शिक्षक-कर्मचारियों द्वारा परीक्षा पारिश्रमिक का भुगतान किये जाने पर पूर्व दरों से भुगतान की पेशकश की जा रही है व शेष भुगतान के अंतर का भुगतान बाद में करने की बात कही जा रही है। विवि से संबद्ध एडेड कॉलेजों के शिक्षकों के संगठन कानपुर विवि शिक्षक संघ (कूटा) के अध्यक्ष पीपीएन कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. बीडी पांडेय ने विवि प्रशासन से शीघ्र संबंधित साफ्टवेयर को अपडेट करा बढ़े पारिश्रमिक दरों के हिसाब से भुगतान कराये जाने की अपेक्षा की है।

आईआईटी वैज्ञानिक मच्छर से सीख रहे बिना दर्द इंजेक्शन के गुर

कानपुर (एसएनबी)। आईआईटी में मच्छरों से सीख लेते हुए इस पर शोध किया जा रहा है कि कैसे लोगों को इंजेक्शन इंजेक्ट करने के दर्द से राहत दिलायी जा सकती है। संस्थान के प्रो. अनिमंगसू घटक व उनकी टीम ने इस पर अध्ययन कर ...हे हैं कि कैसे मच्छर बिना किसी दर्द का अहसास कराये हमारे स्किन में छिद्र कर ...न खींच लेते हैं। इस पर भी शोध किये जा रहा है कि कैसे इस अध्ययन का उपयोग ...विधाजनक सुई (निडिल) के विकास में किया जा सकता है। आईआईटी निदेशक अभय करंदीकर ने प्रो. घटक के प्रयासों की सराहना की है। ...

...लोकगीत के अंदाज में मतदाता ...

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिक्षक और छात्राओं ने मतदान गीत गाकर बांधा समां

... करो, मैं उन्नाव की सूरत बदल दूंगा', ... के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को ... कार्यक्रम बड़ा ही रंग मंच भरा रहा। ... मिश्रा आदि शिक्षिकाओं ने तमाम प्रकार ... के प्रति जागरुक कराती रहीं। किसी ने ... लिए सौ प्रतिशत मतदान कराये जाने का ... का तरीका इजाद किया।

शार्ट सर्किट से ...

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव में शार्ट सर्किट होने से खेतों में पकी खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गयी। इससे पहले आग की लपटें आसपास के खेतों को अपनी चपेट में लेती ग्रामीणों ने आग पर काबू लिया। लेकिन तब तक पूरन लाल पुत्र लल्लू प्रसाद के गेहूं की फसल जलकर राख हो गयी।

ग्राम न्यायालय ...

बिल्हौर। ग्राम न्यायालय की स्थापना कर ... न्यायालय में सिविल व फौजदारी के छोटे-... जायेगा। न्यायालय की स्थापना हेतु परिसर ... आये। नया तहसील भवन बन जाने के बाद ... निरीक्षण किया और उसको मुन्सिफी न्यायाल... के खाली पड़े भवन में न्यायालय फाइलों के ... के बाद शीघ्र ही कमेटी आकर निरीक्षण करे... के गठन के बाद मुन्सिफी न्यायालय की संभा... का न्यायालय माती में है और उसे वापस ला... उधर, बिल्हौर तहसील के अधिवक्ता 5 वर्षों ... लिये आन्दोलनरत है और शुक्रवार को न्यायि... कुमार ने बताया कि न्यायालय के गठन के लि...

ईस्टर मिलन समारोह में ...

कानपुर। पास्टर्स सोशल वेलफेयर के तत्वावधान में सेन्ट फ्रान्सिस स्कूल मैदान में ईस्टर मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सर्व समाज के धर्मगुरु व सामाजिक कार्यकर्ता मसीह समाज ने प्रेम व शांति का संदेश दिया। समारोह में सबसे पहले श्रीलंका में सिलसिलेवार चर्च व होटलों में हुए विस्फोट के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के ... सामूहिक प्रार्थना की। फादर सेबेस्टियन फ्रा... के लिए सम्मान दिया। पादरी डायमण्ड यू... वाले चुनाव में कानपुर शहर के सभी ...

साफ सफाई रखे। जिससे चिकनपॉक्स न फैल सके। वहीं चार से पांच घंटे धूप में रहने वाले लोग धूप से बचाव करे, जिससे हीट स्ट्रोक न हो सके।

संयोजिका ऋचा मिश्रा, साहित्यिक संयोजिका सुचिता शुक्ला, स्पोर्ट्स संयोजक योगेश पुरी, मीनाक्षी मिश्रा, केके भारती, स्मिता द्रोण, रीतू सिंह, प्रियंका गुप्ता, राशी आदि भी मौजूद

अब दो रेगुलर पीजी डिग्री हासिल कर सकेंगे छात्र

कानपुर (एसएनबी)। उच्च शिक्षा का विस्तार करने की ख्वाहिश रखने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी है। सीएसजेएमयू से विद्यार्थी अब दो रेगुलर पीजी कोर्स कर सकेंगे। अभी तक एक रेगुलर पीजी कोर्स करने के बाद दूसरा पीजी कोर्स प्राइवेट से करने की सुविधा थी।

सीएसजेएमयू प्रशासन ने विवि से संबद्ध कॉलेजों में संचालित यूजी-पीजी कोर्सेस में प्रवेश से संबंधित दिशा-निर्देशों को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। शीघ्र ही इसे कॉलेजों को जारी किया जाएगा। संबद्ध कॉलेजों के यूजी-पीजी कोर्सेस में प्रवेश के संदर्भ में कई नये बदलाव किये गये है, जिसे प्रस्तावित दिशा-निर्देश में शामिल किया गया है। विवि सूत्रों ने बताया कि परिवर्तित दिशा निर्देशों के अनुसार अब यूजी पाठयक्रम के तीसरे वर्ष में अध्ययन किये जाने वाले विषय में ही पीजी पाठयक्रम करने की बाध्यता नहीं रह गयी है। छात्र किसी नये विषय में भी पीजी कोर्स कर सकेंगे, लेकिन उन्हें उक्त विषय की एकल विषय परीक्षा पास करनी होगी। यूजी कोर्सेस के प्रथम दो वर्ष में तीन विषयों की पढ़ाई होती है व तीसरे वर्ष में दो विषय पढाये जाते हैं। वर्तमान नियमों के अनुसार तीसरे वर्ष में लिये गये दो विषयों में से किसी एक में पीजी कोर्स किया जा सकता है। यदि संबंधित छात्र तीसरे विषय में पीजी करना चाहता है, तो उसे थर्ड ईयर की संबंधित विषय की एकल परीक्षा पास करनी होगी। यदि किसी छात्र ने यूजी कोर्स समाजशास्त्र, इतिहास व इंग्लिश के साथ किया है और वह राजनीतिशास्त्र में पीजी करना चाहता है, तो यह भी संभव है। इसके लिए संबंधित विद्यार्थियों को राजनीति शास्त्र की एकल विषय की प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की परीक्षा पास करनी होगी।

सीएसजेएमयू ने प्रवेश व्यवस्था में किये कई बदलाव

5 वर्ष के गैप के बाद भी प्रवेश संभव

संशोधित दिशा-निर्देश के तहत किसी कारणवश पढ़ाई बंद करने के मामले में अब पांच साल बाद तक यूजी कक्षाओं में प्रवेश अनुमन्य किये जा सकते हैं। यूजी कक्षाओं में अब अर्हता कक्षाओं की परीक्षा पास करने के पांच साल के गैप के बाद भी प्रवेश दिये जा सकते हैं। इसके लिए मेरिट अर्हता परीक्षा में प्राप्त अंकों में प्रति वर्ष 1 प्रतिशत की दर से कटौती कर तय की जाएगी।

पीजी में प्रवेश को नये छात्रों को कम होंगे मौके

संशोधित दिशा-निर्देश के तहत एक अभ्यर्थी को अब दो रेगुलर पीजी कोर्स की सुविधा दिये जाने का खामियाजा पीजी करने के इच्छुक नये छात्रों को भुगतना पड़ सकता है। पीजी की सीटों पर पहले पीजी कर चुके छात्रों के प्रवेश लेने से पीजी कक्षाओं में नये छात्रों के लिए प्रवेश के मौके कम होंगे। चूंकि ज्यादातर पीजी कोर्सेस एडेड कॉलेजों में चलते हैं व फीस कम होती है, लिहाजा पहले पीजी कर चुके छात्रों की पुनः नये विषय में पीजी करने के लिए भीड़ बढ़ सकती है।

शत प्रतिशत मतदान से, ढ

सौल (एसएनबी)। ऑक्सफोर्ड मॉडल टयूट ऑफ एडवांस स्टडीज व ऑक्सफोर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता अभियान के अन्तर्गत कस्बे में लकर शत प्रतिशत मतदान का हस्ताक्षर लाया।

अमर उजाला, 8 मई 2014

कूटा की तदर्थ कार्यकारिणी गठित

सोसाइटी ऑफ रजिस्ट्रार में कूटा का नवीनीकरण हुआ, 1972 के बाद से अब तक नहीं हुआ था नवीनीकरण

गर्मी की छुट्टियों के बाद होगा कूटा का चुनाव

नए अध्यक्ष डॉ विवेक द्विवेदी, महामंत्री डॉ एमपी सिंह

नई कार्यकारिणी में नहीं शामिल है अध्यक्ष, महामंत्री

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। लंबे समय से चल रहे कानपुर यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (कूटा) में घमासान के बाद बुधवार को तदर्थ कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष डॉ विवेक द्विवेदी और महामंत्री डॉ एमपी सिंह बने। इसके साथ ही सोसाइटी ऑफ रजिस्ट्रार में कूटा का नवीनीकरण कराया गया। सोसाइटी ऑफ रजिस्ट्रार में छह महीने के अंदर चुनाव कराने के बाद नई कार्यकारिणी गठन करने के निर्देश दिए हैं।

गठित तदर्थ कमेटी ने डॉ आरके सिंह और डॉ देवेंद्र अवस्थी को कूटा का पदाधिकारी नहीं माना है। तदर्थ कूटा महामंत्री डॉ एमपी सिंह ने कहा कि कूटा के संविधान में कार्यकाल दो सालों का है। ऐसे में कूटा कार्यकाल 5 मई 2014 को समाप्त हो गया है। पहले भी कई बार कूटा के रजिस्ट्रेशन की बात कही गई, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। जिस कारण कई वरिष्ठ शिक्षकों ने एक कार्यकारिणी समिति बनाकर पंजीकरण का प्रयास किया है। आगामी चुनाव तक इसकी जिम्मेदारी अध्यक्ष डॉ विवेक द्विवेदी और महामंत्री डॉ एमपी सिंह को दी है। इस संबंध में विश्वविद्यालय को भी पत्र लिखा गया है।

ये है कार्यकारिणी

- डॉ विवेक द्विवेदी, अध्यक्ष
- डॉ अनिल अवस्थी, उपाध्यक्ष
- डॉ एमपी सिंह, महामंत्री
- डॉ अवधेश गुप्ता, संयुक्त मंत्री

कार्यकारिणी सदस्य

- डॉ आरएन त्रिपाठी,
- डॉ महेंद्र यादव,
- डॉ संदीप शुक्ला,
- डॉ विमल जायसवाल
- डॉ यूसुफ अख्तर,

अमर उजाला 28/5/14

डिग्री सत्यापन का भुगतान रोका, कर्मचारी नाराज

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। डिग्री सत्यापित करके मेहनताना लेने वाले कर्मचारियों को सीएसजेएम यूनिवर्सिटी प्रशासन ने झटका दिया है। मेहनताना भुगतान की फाइल रोक दी है। वहीं, मार्कशीट भुगतान की फाइल भी रोकने की तैयारी है। एक मार्कशीट के सत्यापन पर 4.20 रुपये का भुगतान होता है। फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स 2.6 लाख स्टूडेंट्स को हर साल मार्कशीट दी जाती है।

यूनिवर्सिटी से हर साल 2.6 लाख डिग्री जारी की जाती हैं। इनका सत्यापन कर्मचारी करते हैं। एक डिग्री का सत्यापन दो कर्मचारी करते हैं, जिन्हें कि 1-1 रुपये (कुल दो रुपये) का भुगतान मिलता है। इस हिसाब से देखा जाए तो डिग्री सत्यापन के एवज में सालाना 4.12 लाख रुपये का भुगतान होता है। इसी की समीक्षा करते हुए कुलपति प्रो. जेबी वैशंपायन ने डिग्री सत्यापन के लिए होने वाले भुगतान को रोक आदेश दिया है। कुलपति का कहना है कि डिग्री कंप्यूटराइज्ड बनती है। इसमें गलती की गुंजाइश बेहद कम रहती है। सत्यापन का कोई खास औचित्य नहीं है, फिर भी मामले का परीक्षण कराया जा रहा है। जैसे ही फैक्ट फाइंडिंग सामने आएंगे, वैसे ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। वहीं, कानपुर विश्वविद्यालय कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश सिंह और महामंत्री विनय कुमार ने नाराजगी जताते हुए कहा कि भुगतान की फाइल 10 अप्रैल से रोकी गई है। इस कारण डिग्री सत्यापन नहीं हो पा रहा है। इससे डिग्री में तमाम गलतियां जा रही हैं। इसका खामियाजा स्टूडेंट्स को भुगतना पड़ेगा। सत्यापन का पैसा जल्द नहीं मिला तो कर्मचारी आंदोलन करेंगे।

4 तक जारी होगी सीनियारिटी लिस्ट

कानपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) की तदर्थ कार्यकारिणी ने बुधवार को सीएसजेएम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जेबी वैशंपायन से मुलाकात की। साथ ही नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। रजिस्टर्ड कूटा के अध्यक्ष डॉ. विवेक द्विवेदी और महामंत्री डॉ. एमपी सिंह की अगुवाई वाली कार्यकारिणी ने टीचर्स की समस्या के समाधान की मांग की। इस पर कुलपति ने सकारात्मक कदम उठाया और कहा टीचर्स की सीनियारिटी लिस्ट 4 जून तक जारी कर दी जाएगी।

राष्ट्रीय सहारा, 28/5/14

विवि में जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए रजिस्ट्रेशन शीघ्र

■ कूटा तदर्थ कार्यकारिणी के शिक्षक नेता कुलपति से मिले

कानपुर (एसएनबी)। सीएसजेएमयू प्रशासन जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए शीघ्र ही मेधावी छात्रों का रजिस्ट्रेश प्रारम्भ करेगा। इसके साथ ही पांच साल से ठप पीएचडी को आरम्भ कराने की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी।

उक्त जानकारी विवि के कुलपति प्रो. जेवी वैशम्पायन ने कानपुर विवि शिक्षक संघ (कूटा) की तदर्थ कार्यकारिणी में शामिल शिक्षक नेताओं को दी। कुलपति ने बताया कि डीन की कमेटी बना इस पर कार्य शुरू कर दिया गया है। पूर्व में प्रेषित पीएचडी प्रस्ताव को राजभवन ने कुछ संशोधन हेतु विवि को वापस भेज दिया है। पुनः संशोधित प्रस्ताव राजभवन भेजा जाएगा। बुधवार को हुई बैठक में कूटा तदर्थ कार्यकारिणी के अध्यक्ष डा.विवेक द्विवेदी, महामंत्री डा.एमपी सिंह, डा.अनिल अवस्थी, डा.अवधेश गुप्ता, डा.आरएन त्रिपाठी, डा.विमल जायसवाल, डा.वीके कटियार, डा.संदीप शुक्ला आदि शामिल थे। डिग्री शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग पर कुलपति ने वार्ता के दौरान ही ईडीपी प्रभारी राजीव जैन को भी बुला लिया। कुलपति ने बाद में प्रस्तावित सूची अध्यक्ष व महामंत्री को दिखा 4 जून तक प्रकाशित किये जाने के निर्देश दिये। मूल्यांकन पारिश्रमिक में वृद्धि पर कुलपति ने कहा कि संगठन के प्रस्ताव को शासन को भेजा जाएगा। शिक्षकों ने पारिश्रमिक व यात्रा बिलों के लम्बित रहने व बिलों की प्राप्ति रसीद न देने के शिकायत की। कुलपति ने बिलों की प्राप्ति पर स्वीकारोक्ति रसीद दिये जाने की व्यवस्था करने की बात कही। कुलपति ने शिक्षक नेताओं से स्पष्ट किया कि मूल्यांकन के लिए बाहरी विवि के शिक्षकों के निजी कार से यहां आने पर यात्रा बिल का भुगतान तभी किया जाएगा, जब सम्बन्धित शिक्षक उक्त गाड़ी की टोल टैक्स रसीद प्रस्तुत करेंगे। कुलपति ने मूल्यांकन परीक्षकत्व वरिष्ठता व रोटेशन के आधार पर दिये जाने की जानकारी दी। रिटायर शिक्षकों के लिए मूल्यांकन पारिश्रमिक सीमा बढ़ाने पर कुलपति ने कुछ विषयों के लिए आदेश किये जाने की जानकारी दी।

कुलपति ने दिया आश्वासन

कानपुरः कूटा का प्रतिनिधिमंडल अपनी नौ सूत्रीय मांगों को लेकर कुलपति प्रोफेसर जेवी वैशम्पायन से मिला। बुधवार को कुलपति से मिलकर उन्होंने शिक्षकों की वरिष्ठता सूची प्रकाशित करने, पारिश्रमिक राशि बढ़ाने व बाहरी विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों को 200 किमी तक की यात्रा निजी गाड़ी से करने की स्वीकृति दिए जाने की मांग की। कुलपति ने चार जून तक वरिष्ठता सूची प्रकाशित किए जाने का आश्वासन दिया। डॉ. विवेक द्विवेदी, एमपी सिंह, डॉ. अनिल अवस्थी, डॉ. आरएन त्रिपाठी थे।

जागरण, 28/5/14

पीएचडी आर्डिनेंस कुलाधिपति ने लौटाया

कानपुर। कूटा (पंजीकृत) के अध्यक्ष डॉ. विवेद द्विवेदी और महामंत्री डॉ.एमपी सिंह ने बुधवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेवी वैशम्पायन से मुलाकात की। कुलपति ने आश्वस्त किया कि पांच साल से बन्द पीएचडी की प्रक्रिया आर्डिनेंस संशोधन के बाद शुरू होगी।

आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर हत्यारों का सुराग लगाने ... जल्द ही सफलता हाथ लगेगी।

अमर उजाला 3 जून 2014

जल्द अपडेट होगी वरिष्ठता सूची

इटावा। पिछले आठ वर्षों से अपडेट नहीं हुई डिग्री शिक्षकों की वरिष्ठता सूची अब जल्द ही अपडेट होगी। यह जानकारी कानपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ कूटा के महामंत्री डा. एमपी सिंह ने दी। सिंह ने बताया कि डिग्री शिक्षकों की 9 सूत्रीय समस्याओं के संबंध में कुलपति से कूटा अध्यक्ष डा. विवेक द्विवेदी के नेतृत्व में पदाधिकारियों की बैठक हुई। बताया गया कि डिग्री शिक्षकों की वरिष्ठता सूची पिछले आठ सालों से अपडेट नहीं हुई है। संशोधित कराकर तत्काल वरिष्ठता सूची प्रकाशित कराई जाए। इस मांग पर कुलपति ने तत्काल सहायक कुल सचिव विनय कुमार सिंह व राजीव जैन को निर्देशित करके चार जून तक वरिष्ठता सूची कुलपति कार्यालय में तलब की है। इसके बाद कूटा पदाधिकारी शिक्षकों से संशोधन के लिए आपत्तियां लेंगे। इसके बाद सूची अपडेट होगी और उसे कूटा की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। बताया कि इसके साथ अन्य समस्याओं को भी रखा गया। कुलपति ने समाधान का आश्वासन दिया है।

डिग्री शिक्षक चार घंटे में जांच रहे 150 उत्तर पुस्तिकाएं

29/5/14

सीएसजेएमयू

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में चल रहे मूल्यांकन में परीक्षकों की धनराशि खातों में नहीं पहुंच पा रही है। इसे लेकर शनिवार को कूटा नेताओं ने हंगामा किया।

इनका आरोप था कि विश्वविद्यालय की गलती से 27 अप्रैल के बिलों का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। कूटा नेताओं ने उन शिक्षकों को भी चेतावनी दी जो कम समय में अधिक कॉपियां जांच कर चले जाते हैं।

कूटा नेता डॉ. विवेक द्विवेदी और डॉ. एमपी सिंह दोपहर में मूल्यांकन कक्ष पहुंचे। यहां इन्हें कई तरह की शिकायतों का सामना करना पड़ा। शिक्षकों का कहना था कि उनके खातों में धनराशि नहीं पहुंच रही है।

मूल्यांकन करने के बाद लंबा समय बीत गया लेकिन पारिश्रमिक का पता नहीं है। कूटा नेताओं ने उप कुलसचिव राजबहादुर यादव से भुगतान कराने के लिए कहा। उनका कहना था कि पारिश्रमिक भुगतान में कुछ तकनीकी कारणों से देरी हो रही है। कूटा नेताओं को शिकायत मिली कि कुछ शिक्षक चार घंटे में 150 कॉपियां जांच कर चले जाते हैं। इस पर कूटा नेताओं ने कहा कि कोई भी शिक्षक ऐसा न करें।